Reg. No: MH 813/2014/Pune

SUMAN LOKSEVA SANSTHA

"Step up for Humanity"

Founder & President : Dr. Dnyaneshwar Mundlik

Ref. No.: Date :

अध्यक्षिय मनोगत,

प्रिय बंधु और भगिनी,

इस पृथ्वी पर सब प्राणी मात्राओमेंसे बुद्धीमान दयालू जाती 'मनुष्य' ही है। ये रामायण, महाभारत, कुराण, बायबल जैसे धर्मग्रंथभी हमको यही सिखाते है। परंतु हम इस बात को भुले जा रहे है और इन्सानियत धर्म ही भुलते जा रहे है। उस वजह से समाज मे सामाजिक और आर्थिक विषमता बढती जा रही है। और इस वजहसे सब तरफ असामाजिकता बढती जा रही है। और मदद कहीसे भी नही मिल पा रही है।

देश मे जो २०% अमिर लोग है वह और भी अमिर और ८०% गरीब लोग है वह और ज्यादा गरीब होते जा रहे है। एक तरफ २०% अमीर लोग पैसा खर्च करके जीवन भर ऐशो आरामसे जी रहे है तो एक तरफ ८०% गरीब लोग जीवनभर अपार कष्ट करते हुए भी अपने परिवार का गुजारा भी ठिकसे नही कर पा रहे है। इस वजह से न वे अपने बच्चों को ठिकसे शिक्षा दे पा रहे है न बडे बुजुर्गो के लिए दवा पानी भी कर पा रहे है। और न कोई अपने शौक पुरे कर पा रहे है। और अब ना वे खुदका घर ले पा रहे है। खुदका घर लेना भी अब एक सपना हो गया है। लेकिन अब भी इस दयनीय परिस्थिती मे सब शांत है किंतु इस पर विचार होना जरूरी है। इसका मुल कारण यह है कि मनुष्य ही मनुष्य धर्म और इन्सानियत भुलता जा रहा है, क्योंकि कुछ दुष्ट राजकिय शक्ती मनुष्य जाती में विविध जातीयो का राजकारण करके मनुष्य को इन्सानियत के एकरूप होनेसे बाहर निकालकर महंगाई को उसका बली दे रही है।

जब हम देश स्वतंत्र कर रहे थे तब हजारो शुरवीरोने हमारे देश के लिए प्राणों की आहुती अपने खुशी से दी थी। उसमे हिंदू, मुस्लीम, सिख, ईसाई सब एक थे और इन सबकी वजह से हमारा देश स्वतंत्र हुआ। परंतु अब हिंदु धर्म मे पंद्रह, सोलह जाती मुस्लीम में अलग जाती संरचना ईसाई, सिख एवम् अनेक धर्म में जाती संरचना है। ये जाती संरचनाएँ मनुष्य को इन्सानियत से अलग किये जा रही है, और ये दुष्ट राजकीय शक्तीयॉ इसका इस्तेमाल खुदके हितके लिए किए जा रहे है। ये दुष्ट राजकीय शक्तियॉ विविध आरक्षणों का प्रलोभन दिखा कर जातीय वाद निर्माण कर रही है। उसी वजह से सामाजिक अस्थिरता बढती जा रही है। बडी होशियारी से मनुष्य को मनुष्य का दुश्मन किया गया है और गरिबी और आमीरी यह विषमता निर्माण हो गयी है। क्योंकी आरक्षण और विविध प्रकार के प्रलोभनोमें आदमी अपने बच्चो का वह होशियार होने के बावजूद नौकरी के लिए भेज रहा है। किंतु यह आरक्षण न होता तो अपने बच्चों को बुद्धिमत्तासे वह कदाचीत लघुदयोजक एवम् उदयोजक बनकर आमीर बन सकता था और आर्थिक विषमता २०% अमीर ८०% गरीब यह स्थिती बदल पा सकता था।

परंतु शतरंजके खेल जैसा हमारा इस्तेमाल करके शतरंजके प्यादों जैसा हमे सिधा चलने के लिए सरल मार्ग बनाकर हमे जाती धर्म का राजकारण करके हमे सिधा चलने को लगाकर ये दुष्ट राजकीय शक्तीयॉ हमारा बली इस महंगाई और गरीबीको आसानीसे दे रहे है। यह हमको समजना चाहीए और इसका सखोल परिक्षण करना जरूरी है वरना हमे इससेभी भयानक परिस्थिती का सामना करना पडेगा। इराण, इराक जैसे देशों मे भी दुष्ट राजकीय शक्तीयोने जातीयता निर्माण की गयी है, और अब वहॉ की परिस्थिती अत्यंत गंभीर होती जा रही है। लाखो निष्पाप मनुष्य की हत्या की जा रही है। और हम दु:ख शोक सभा लेने का छोडकर शेअर मार्केट एवम् तेल की किंमतो की चर्चा कर रहे है और इस वजहसे महंगाई बढकर हमारे परीवार के खर्चो पर होनेवाले परिणामोंकी चर्चा करते दिखाई दे रहे है। दोस्तो हमारा देश भी उसी दिशा से जा रहा है। अगर हमने अभी कुछ नही किया तो इस जाति धर्म की वजह से हमारा देश इससे और ज्यादा गंभीर स्थिती मे चला जाएगा क्योंकी हमारे देश मे उनसे ज्यादा धर्म जातियॉ है और उन जातियोंकी अनेक उपजातियॉभी निर्माण हो रही है हमारी सरकार की अनेक योजनाएभी इस स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई दे रही है। हम सब हमारी देश की प्रतिज्ञा को भुल गए है। २०% और ८०% इस आर्थिक विषमता को मात देने के लिए हमारी प्रतिज्ञा को याद करते है 'भारत मेरा देश है, सभी भारतीय मेरे भाई बहन है' इस एक वाक्य को मन में समाकर कार्य में लाते है।

इसी इन्सानियत धर्म के लिए मनुष्यजाति के अस्तित्व के लिए 'सुमन लोकसेवा संस्था' इस नाम से एक मिशन शुरू किया है। मेरे, हमारे इस मिशन में भारी मात्रामे शामिल होकर हम एक साथ लडेंगे और जितेंगे क्योंकी यह मिशन काफी बडा और व्यापक है। सामाजिक और आर्थिक विषमता पर मात करने के लिए और परीवर्तन के लिए मुझे महाराष्ट्र में कमसे कम एक लाख शाखाएँ और दस लाख कार्यकर्तोओंकी जरूरत है। हमे गॉव, तहसिल, जिला, राज्य और देश इस तरह से परीवर्तन करना है। 'हमारा संघटन यही हमारी ताकद है। जैसे देश की आझादी के लिए सुभाषचंद्र बोसजीने नारा दिया था 'तुम मुझे खुन दो मैं तुम्हे आझादी दुगा' उसी तरह से मैं आपसे कह रहा हू 'अब तुम मेरा साथ दो फिर तुम तुम्हे ही खुशहाली दोंगे'.

" Step Up For Humanity" and Join us.

जय हिंद, जय महाराष्ट्र

डॉ. ज्ञानेश्वर मुंडलिक (D.Hon.)
संस्थापक अध्यक्ष

सुमन लोकसेवा संस्था

HEAD OFFICE : P.S. ANGAN, OFFICE NO.11 MAGARPATTA ROAD, HADAPSAR, PUNE - 411 028 (MH)
●Tel.(0) : 020-6500 8184/85/86 ●E-mail :info@sumanlokseva.org
Web: www.sumanlokseva.org